नोटों का कागज

*२५६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि नोटों का कितना कागज प्रति वर्ष आयात किया जाता है और देश इस सम्बन्ध में कब तक आत्मनिर्भर हो जायेगा ?

†[CURRENCY PAPER

*259 SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN Will the Minister of FINANCE be pleased to state the quantity of currency paper which is imported every year and the time by when the country will become self-sufficient in this respect?]

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बी० आर० भगत) आजकल लगभग २१०० मीट्रिक टन नोटों का कागज (करेंसी पेपर) हर साल विदेशों से मंगाया जाता है। अभी यह बताना सम्भव नहीं कि इस सम्बन्ध में देश कब आत्म-निर्भर होगा, लेकिन जब होशंगाबाद के सिक्योरिटी पेपर मिल में पूरी तरह से कागज़ बनने लगेगा, तो हमारी ज्यादातर जरूरतें पूरी हो जायगी।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B R BHAGAT) About 2100 tonnes of currency paper are at present imported annually It is not possible to indicate at this stage, when country will become self-sufficient in this respect, but the major part of our requirements will be met when Security Paper Mill at Hoshangabad goes into full production]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या होशंगाबाद में जो करेन्सी पेपर की मिल खुल रही है उसमें काम शुरू हो गया ? अगर शुरू हो गया है तो उसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी क्या है और कब तक यह पूरे तरीके से चलने लगेगा और इसके लिये टेकनिशियन्स वगैरह, जो काम करने वाले हैं उनकी क्या व्यवस्था की जा रही है ?

श्री बी० आर० भगत : यह काम तो शुरू हो गया है। सितम्बर, १९६४ में जब इस मिल में पूरी कैपेसिटी पर काम चालू हो जायेगा तो २,०३२ टन करेन्सी और बैंक नोट पेपर इसमें बनेगा। इंगलैण्ड की जो कम्पनी है मेसर्स पोर्टल्स लिमिटेड, उनके साथ इसमें टेकनिकल अरेन्जमेन्ट हो गया है।

SHRI B K GAIKWAD: May I know the cost price of such paper imported every year?

SHRI B. R BHAGAT We are importing Rs 1·6 crores worth of such paper

SHRI RATANLAL KISHORILAL MALVIYA· What is the estimated cost of the plant which is being fixed for the manufacture of this paper?

SHRI B R BHAGAT The cost is likely to be of the order of Rs 6·85 crores

प्रादेशिक भाषाओं में लोकप्रिय साहित्य का प्रकाशन

*२६० श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने विश्वविद्यालयों से अनुरोध किया है कि वे प्रादेशिक भाषाओं में लोकप्रिय साहित्य प्रकाशित करें।

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने उन को इस साहित्य का ब्योरा बतलाया है, और

†[ ]English translation.